

चिंतन या धारण करने की शक्ति मुहा. ध्यान आना- स्मरण आना; ध्यान से उतरना- याद न रह पाना; ध्यान पर चढ़ना- किसी बात का मन में कुछ समय के लिए अपना स्थान बना लेना; ध्यान जमना- चित्त एकाग्र होना; ध्यान छूटना- चित्त की एकाग्रता खत्म होना; ध्यान देना- चित्त को किसी बात की ओर प्रवृत्त करना; ध्यान धरना-एकाग्र भाव से इष्ट के बारे में सोचना; ध्यान में डूबना, ध्यान में मग्न होना- किसी के विचार में इस प्रकार लीन होना कि अन्य बातों का ख्याल न रहे; ध्यान बँटना- किसी विषय पर लगे चित्त की एकाग्रता में व्यवधान आना; ध्यान बँधना- किसी विषय पर निरंतर चित्त लगा रहना; (किसी में) ध्यान लगाना- दे. ध्यान में डूबना; ध्यान लगाना- दे. ध्यान धरना; ध्यान में लाना-मन में, चिंतन में स्थान देना।

ध्यानगम्य वि. (तत्.) केवल ध्यान से प्राप्त होने वाला।

ध्यानतत्पर वि. (तत्.) ध्यान में लीन, ध्यानस्थ, ध्यान में लगा हुआ।

ध्यानना स.क्रि. (तद्.) ध्यान करना, निरंतर स्मरण करना।

ध्याननिष्ठ वि. (तत्.) ध्यान में लीन, विचारों में डूबा हुआ।

ध्यानपर वि. (तत्.) ध्याननिष्ठ।

ध्यानमग्न वि. (तत्.) ध्याननिष्ठ, ध्यान में लीन प्रयो. मैं अध्ययन में इतना ध्यानमग्न था कि कब वह बगल में आकर बैठ गया, पता ही नहीं चला।

ध्यानमुद्रा स्त्री. (तत्.) ध्यान करने के विहित आसन हाथ की उंगलियों का विशेष विन्यास।

ध्यानयोग पुं. (तत्.) वह योग जिसमें ध्यान की प्रधानता हो।

ध्यानरत वि. (तत्.) ध्यान में डूबा हुआ, ध्यानमग्न।

ध्यानरम्य वि. (तत्.) जिसका ध्यान करना अच्छा लगे।

ध्यानलीन वि. (तत्.) ध्यानरत, ध्यानमग्न।

ध्यानशील वि. (तत्.) ध्यानस्थ, ध्याननिष्ठ।

ध्यानसाध्य वि. (तत्.) ध्यान द्वारा सिद्ध या साधित होने वाला।

ध्यानस्थ वि. (तत्.) ध्यानलीन, ध्यानरत।

ध्याना स.क्रि. (तद्.) दे. ध्यानना।

ध्यानाभ्यास पुं. (तत्.) ध्यान का अभ्यास, समाधि।

ध्यानावचार पुं. (तत्.) बौद्ध शास्त्रों में वर्णित एक देवता।

ध्यानावस्थित वि. (तत्.) ध्यान में डूबा हुआ, ध्यानमग्न।

ध्यानिक वि. (तत्.) ध्यान से सिद्ध होने योग्य, ध्यानसाध्य।

ध्यानिबुद्ध पुं. (तत्.) एक प्रकार के बुद्ध।

ध्यानी वि. (तत्.) 1. ध्यान करने वाला 2. जो लगातार परमात्म चिंतन करता रहता हो।

ध्याम वि. (तत्.) 1. साँवला 2. गंदा, मैला पुं. 1. एक तरह का गंध, तृण 2. दमनक, दौना।

ध्यामक स्त्री. (तत्.) रोहिस घास।

ध्येय वि. (तत्.) 1. ध्यान के योग्य 2. जिसका ध्यान किया जाए पुं. 1. ध्यान का विषय 2. लक्ष्य।

ध वि. (तत्.) धारण करने वाला।

धगधुगी स्त्री. (तत्.) धुकधुकी।

धम पुं. (तत्.) धर्म।

धम्म पुं. (तत्.) धर्म।

धजि स्त्री. (तत्.) 1. वेगपूर्ण गति 2. प्रकृति 3. आँधी, तूफान।

धिग अव्य. (तद्.) धिक।

धुति स्त्री. (तत्.) 1. भाग्य 2. अधोगति, कदाचार।

धुपद पुं. (तद्.) भारतीय शास्त्रीय गायन परंपरा में विशिष्ट शैली जिसमें शुद्धता पर बहुत बल दिया जाता है प्रयो. भारत में बहुत कम धुपद गायक शेष बचे हैं।